

nt>

**Title:** Demand to condemn the statement made by the Shahi Imam of the Jama Masjid regarding destruction of Lord Buddha Idols in Afghanistan and also raised the issue of imposition of duty on readymade garments and agitation by the readymade garments manufacturers of New Delhi.

**श्री विजय गोयल (चांदनी चौक) :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान एक महत्वपूर्ण बात की ओर खींचना चाहता हूँ। जामा मस्जिद के शाही इमाम ने सरेआम जो बयान दिया है, उसे यह सदन किसी भी तरह से ठीक नहीं ठहरायेगा। चांदनी चौक मेरा निर्वाचन क्षेत्र है और यह बयान वहीं से आया है। तालिबान सरकार बुद्ध मूर्तियों को तोड़ रही है, इस विषय को बाबरी मस्जिद-अयोध्या मंदिर से जोड़कर यह कहा जाये कि उस कारण से हो रहा है, दस वां पहले की बात को इससे जोड़ना ठीक नहीं है। सब लोगों ने यही कहा है कि केवल शाही इमाम ही मुस्लिम प्रतिनिधि नहीं हैं। हमारे क्षेत्र के जितने भी मुस्लिम हैं, वे इस बात की निन्दा करते हैं और कहते हैं कि तालिबान सरकार जो कुछ कर रही है, वह गलत कर रही है। सरकार को इसके खिलाफ कोई कदम उठाना चाहिये। मैं सरकार से अनुरोध करना चाहता हूँ कि जामा मस्जिद या किसी और धार्मिक स्थान से इस तरह के भड़काऊ बयान देने की इजाजत नहीं होनी चाहिये और सदन को चाहिये कि इसकी निन्दा करे।

अध्यक्ष जी, मैं एक दूसरा विषय रेडीमेड गारमेंट्स तैयार करने वालों के बारे में उठा रहा हूँ। रेडीमेड गारमेंट्स पर ज्यादा एक्साइज़ ड्यूटी लगाने से वे लोग चांदनी चौक में धरने पर बैठे हुये हैं। सरकार की ओर से वित्त मंत्री जी इस विषय पर ध्यान देंगे या नहीं?

अध्यक्ष जी, रेडीमेड गारमेंट्स बिजनैस में लगे हुये लोगों ने चार महीने से मशीनें लगा रखी हैं और अब उन पर टैक्स लगाया जायेगा। (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Goel, which issue are you raising? Is it regarding duty on readymade garments?

SHRI VIJAY GOEL : Sir, I have raised two issues... (Interruptions)

MR. SPEAKER: How can you raise two issues during 'Zero Hour'?

**श्री विजय गोयल :** अध्यक्ष महोदय, वे सब लोग धरने पर बैठे हुये हैं...

MR. SPEAKER: This is not proper... (Interruptions)

**श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण मध्य) :** अध्यक्ष जी, जामा मस्जिद के शाही इमाम ने जो बयान दिया है, उससे पूरे देश में दंगा हो सकता है, इस पर कार्यवाही होनी चाहिये।

MR. SPEAKER: Shri Rawale, he has given notice. I have called his name. How can you speak without giving any notice? How is it possible? You are associating yourself with other hon. Members without giving any notice?

...(Interruptions)